

धज स्त्री. (तद्.) चिह्न, पताका 1. सजावट, बनाव-सिंगार 2. कोई काम करने का सुंदर ढंग या तरीका 3. ठसक, नखरा 4. शोभा यौ. शब्द सजधज प्रयो. उसकी बारात बड़ी सजधज (साज-सज्जा से) से निकली।

धजना अ.क्रि. (देश.) सजना, सजधन करना उदा. सीतामाता थी आज नई धज धारे (साकेत-आठवाँ मैथिलीशरण गुप्त)

धजनेज स्त्री. (देश.+फा) भाले/बरछी में लगी हुई ध्वजा।

धजबड़ स्त्री. (देश.) ध्वजा बढ़ाने वाला, तलवार।

धजा स्त्री. (तद्.) 1. ध्वजा, पताका, कपड़े की धज्जी 2. सजधज, सजावट 3. सिर (पूर्वी बोली) 4. धजा उड़ाना।

धजी स्त्री. (तद्.) धज्जी, टुकड़ा।

धजीला वि. (तद्.) धजवाला, सजीला, आकर्षक, बनाव-सिंगार किया हुआ।

धज्जी स्त्री. (तद्.) कपड़े, कागज आदि का लंबा पतला टुकड़ा या पट्टी जो इन्हें काटने या फाड़ने पर निकलती है मुहा. धज्जियाँ उड़ना- कट-फट कर टुकड़े-टुकड़े हो जाना; धज्जियाँ उड़ाना- चीर-फाड़ कर टुकड़े-टुकड़े कर देना; पूरे तौर पर ध्वस्त या खंडित कर डालना प्रयो. दुश्मन के व्यूह की धज्जियाँ उड़ा दी गईं।

धट पुं. (तत्.) 1. तुला, तराजू 2. तुला राशि 3. तुला परीक्षा 4. धर्म।

धटक पुं. (तत्.) एक पुरानी तौल जो बयालीस रत्तियों की होती थी।

धटिका स्त्री. (तत्.) 1. पंसेरी, पाँच सेर की एक पुरानी तौल 2. कौपीन, लंगोटी 3. चीर 4. गर्भ के पश्चात् या गर्भकाल में स्त्री द्वारा पहना जाने वाला वस्त्र।

धटी स्त्री. (देश.) 1. चीर 2. लंगोटी 2. प्राचीनकाल में गर्भाधान के पश्चात् या गर्भकाल में स्त्रियों द्वारा धारण करने के लिए दिया जाने वाला वस्त्र यौ. धटीदान-गर्भाधान के बाद स्त्री को पुराना वस्त्र देना वि. (तत्.) तुलाधारक, डाँडी पकड़ने वाला।

धडंग वि. (तद्.) नंगा, इसका प्रयोग प्रायः नंगा शब्द के साथ होता है जैसे- नंग-धडंग।

धड़ पुं. (तद्.) 1. शरीर का कमर से गले तक का भुजा रहित भाग 2. पशु-पक्षियों में सिर, हाथ पैर, पूँछ तथा पंख को छोड़कर शरीर का शेष भाग 3. वृक्ष में जमीन के ऊपर से वहाँ तक का भाग जहाँ से शाखाएँ फटती हैं, तना 4. एक प्रकार का बड़ा ढोल या नगाड़ा मुहा. धड़ से- बेखटके, बिना रुके, जल्दी से, चटपट; धड़ में डालना- पेट में डालना स्त्री. (देश.) वह शब्द जो किसी वस्तु के एकाएक गिरने से उत्पन्न होता है।

धड़क स्त्री. (अनु.) 1. हृदय के स्पंदन, धड़कने की क्रिया, अवस्था या भाव 2. खटका, हिचक, आशंका, रुकावट मुहा. धड़क खुलना- हिचक या संकोच का खत्म हो जाना।

धड़कन स्त्री. (देश.) हृदय का स्पंदन, कलेजे की धक-धक, कलेजे का कपकपाना।

धड़कना अ.क्रि. (देश.) 1. हृदय का स्पंदित होना 2. जी का धक-धक करना मुहा. छाती/दिल धड़कना- आशंकित होना, भयभीत होना 3. धड़-धड़ का शब्द या ध्वनि उत्पन्न होना।

धड़का पुं. (अनु.) 1. दिल की धड़कन 2. खटका, अंदेशा, हिचक 3. खेतों में चिड़ियों को भगाने के लिए खड़ा किया जाने वाला पुतला, धोखा 4. वस्तु आदि के गिरने आदि का शब्द।

धड़काना स.क्रि. (देश.) 1. दिल में धड़कन पैदा करना 2. मन में आशंका या खटका उत्पन्न करके दहलाना 3. किसी भारी वस्तु को फेंक कर या गिरा कर या छोड़कर शब्द उत्पन्न करना।

धड़क्का पुं. (देश.) 1. धड़का 2. धड़ाका 3. धूम का निरर्थक अनुकरणात्मक शब्द, धूम धड़क्का-खूब धूमधाम/भीड़-भाड़/बड़ा समारोह या ठाटबाट।

धड़चना स.क्रि. (तद्.) 1. मारना 2. फाड़ना, विदीर्ण करना।

धड़ट्टा वि. (देश.) 1. जिसकी कमर झुकी हुई हो 2. झुकी कमर वाला, कुबड़ा।